

हाड़ौती में भारी बारिश के कारण कई रास्ते बंद, मध्यप्रदेश से संपर्क कटा

बूढ़ादीत थाना क्षेत्र के झाड़ गांव में कच्चा मकान गिरने से बुजुर्ग की मौत, सड़क पर आया मगरमच्छ

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग में अति भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। बुधवार सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। कई जगहों पर बीते 40 घंटे से बारिश हो रही है। इसके चलते जलभराव जैसे हालात हो गए हैं। भारी बारिश के कारण कई रास्ते बंद हैं। वहीं मध्यप्रदेश से संपर्क कट गया।

हाड़ौती की बड़ी नदियों के साथ-साथ उनके सहायक नदियों में भी उफान आ गया है। ऐसे में करीब एक दर्जन से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इसके अलावा गांव की खाड़ी (नाले) भी काफी उफान पर है, जिससे हादसे होने की आशंका है। इन नालों ने कई रास्तों को बंद कर दिया है। इनके तेज बहाव में पुलिया भी टूटकर बह गई, जिन्हें मिलकर हाड़ौती में 50 से ज्यादा रास्ते बंद हैं। बूंदी में लाखेरी के नजदीक कोटा-दीसा-लालसोट मेगा हाईवे पर मेज नदी की पुलिया पर खतरा बना हुआ है। पुलिया को फिलहाल बंद कर दिया है। इस रूट के ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। हाड़ौती में कालीसिंध, परवन, पार्वती, चंबल, अरू, पाटली, नांगली, ताकली, उजाड़, सुखनी, छापी, अंधेरी, रेणुका, कूल, बाणगांग, चंबली, आहू व मेज नदी सहित अन्य सहायक नदियां भी उफान पर हैं। साथ ही नाहरगढ़ एरिया पहले से ही मध्यप्रदेश से आ रहे पानी के चलते



सड़क पर आए मगरमच्छ को रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोड़ा।

डूब में तब्दील हो रहा है। बारं जिले के छबड़ा की टॉवर कॉलोनी में भी पानी प्रवेश कर गया। बारं जिले के छबड़ा में भारी बारिश के चलते गूलन में किले की दीवार के पत्थर ढह गए। इसी तरह से केलवाड़ा के जैसवा के गांव में एक घर की छत गिर गई, हालांकि घर में सो रहे पांच सदस्य तुरंत बाहर चले गए थे। इसके अलावा कोटा के खातोली इलाके में भी बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। खातोली कस्बे में बाढ़ जैसे हालात में प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली करना शुरू कर दिया है। लगातार पार्वती नदी में पानी की आवक हो रही है। साथ ही प्रशासन मुनादी भी कर रहा है।

थानाधिकारी मंशीराम बिश्नोई ने

बताया कि लगातार पानी की आवक होने से एहतियात बरत रहे हैं। एसडीएम तहसीलदार अरुण सिंह सहित प्रशासन ग्रामीणों को सरकारी भवनों में शिफ्ट करवा रहे हैं और सतर्कता बरतने के लिए कह रहे हैं। पीपन्दा क्षेत्र में मदनपुरा, गोवर्धनपुरा, संग्रामपुरा, रघुनाथपुरा, डोली, नारायणपुरा, किरपुरिया, ख्यावदा, कर्जलिया सहित कई गांव टापू बन गए हैं।

कोटा के बूढ़ादीत थाना क्षेत्र के झाड़ गांव में एक कच्चे घर की दीवार ढहने से 79 वर्षीय खेमराज मौणा की मौत हो गई है। जबकि उनका मूकबधिर बेटा धनराज मलबा गिरने से घायल हो गया। सुल्तानपुर पंचायत समिति के सारोला पंचायत का कचनावाड़ा गांव

में बुजुर्ग की मौत हो गई थी। शमशान में टीनशेड नहीं था ऐसे में तिरपाल की मदद से अंतिम संस्कार किया गया। चंबल नदी की झरेल की पुलिया पर पानी 22 जून से ही यह रास्ता बंद है। जिसे सवा महीने के आसपास हो गया है। इससे कोटा जिले के खातोली एरिया का सीधा संपर्क सवाई माधोपुर से टूटा हुआ है। वर्तमान में चंबल नदी की इस पुलिया पर पानी है। यहां पर स्थित झरेल के बालाजी का मंदिर भी पूरी तरह से जलमग्न है। मध्यप्रदेश सरकार ने खातोली के नजदीक पार्वती नदी पर पुल बनाया था। यह

सबमर्सिबल पुल था जो इस बार बारिश में डूब गया है। इससे पहले राजस्थान सरकार का बनाया पुल भी अक्सर डूब जाया करता था। इस बार नया बना हुआ पुल जिस पर से इस साल ही ट्रैफिक शुरू हुआ था वह भी डूब गया है। इसके चलते मध्यप्रदेश का खातोली से संपर्क टूट गया है। कोटा जिले के अयाना के नजदीक पार्वती नदी की सुरताक क्वांजापुर की पुलिया पर पानी आ जाने के चलते कोटा का मध्यप्रदेश के बड़ौदा श्योपुर से संपर्क कट गया है। यह सड़क मार्ग का सबसे ज्यादा उपयोग बारं जिले के लोग मध्यप्रदेश के श्योपुर जाने के लिए करते हैं।

बूंदी जिले के लाखेरी के नजदीक मेज नदी की पापड़ी पुलिया के क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी हुई है। इसे देखने

■ कोटा के खातोली इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं, प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली कराना शुरू किया

के लिए पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद इस पुलिया पर से आवागमन फिलहाल रोक दिया गया है। बारं जिले में 14 रास्ते बंद हैं। कोटा जिले में सुकेत से जुल्मी रोड, देवली मांडी से ढोटी, नौनेरा से नारायणपुरा, गैता से कीरपुरा, चेचट से चंद्रपुरा रोड भी बंद है।

सड़क पर आया मगरमच्छ:- शहर के बजरंग नगर में नहर के नजदीक एच 9 फीट लंबा मगरमच्छ देर रात को पहुंच गया था। वन विभाग को भी इसकी सूचना मिली थी जिसके बाद मगरमच्छ का रेस्क्यू किया गया। फॉरेस्ट विभाग के वीरेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि वह मंगलवार देर रात करीब 1 बजे पहुंच गए थे। लेकिन भारी बारिश हो रही थी। इसके चलते रेस्क्यू करने में काफी समय लगा। इसके बाद उसे पौने तीन बजे रेस्क्यू किया गया। इसे ले जाकर वॉटर फिल्टर प्लांट शिवपुरा के नजदीक चंबल नदी में छोड़ा है। यह मगरमच्छ 9 फीट लंबा और करीब 100 किलो वजनी था।

सवाई माधोपुर में बाढ़ के हालात



एसडीआरएफ की दो अलग-अलग टीमों ने चम्बल नदी और लटिया नाले में फंसे नागरिकों को रेस्क्यू किया।

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले में लगातार हो रही मूसलधार वर्षा और जल स्रोतों के उफान के बीच बुधवार प्रातः एसडीआरएफ कमांडेंट राजेन्द्र सिंह हिसोदिया के निदेशन में एसडीआरएफ की दो अलग-अलग टीमों ने चम्बल नदी और लटिया नाले में फंसे 16 नागरिकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर जान बचाई।

प्रातः 5:10 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर भरतपुर की सी कम्पनी खण्डार थाना क्षेत्र में तैनात टीम सी-7 को मईकलां गांव में चम्बल नदी के तेज बहाव में फंसे ग्रामीणों के रेस्क्यू के लिए रवाना किया गया। वहीं हैडकॉस्टेबल अशोक कुमार के नेतृत्व में 10 जवानों की टीम आपदा राहत उपकरणों एवं मोटर बोट के साथ मौके पर पहुंची। क्षेत्र में कोटा बैराज के गेट खोलने के कारण नदी उफान पर थी और गांव में पानी भर गया था। रेस्क्यू टीम ने त्वरित कार्रवाई करते

■ चम्बल नदी व लटिया नाले में फंसे 16 लोगों को बचाया

■ ग्रामीणों के साथ 40 मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

हुए 3 पुरुष, 2 महिलाएं और 4 बच्चों सहित कुल 9 नागरिकों को लाइफ जैकेट पहनाकर सुरक्षित निकाला और नाव से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके साथ ही ग्रामीणों के 40 मवेशियों को भी बहाव से सुरक्षित बाहर लाया गया। इसी प्रकार दूसरी ओर सवाई माधोपुर शहर के समीप लटिया नाले के तेज बहाव में फंसे 7 नागरिकों को भी एसडीआरएफ की सी-08 टीम ने प्रातः पांच बजे सूचना मिलने के बाद प्रातः 5:50 बजे तक पहुंचकर

सफलतापूर्वक बचाया। यह टीम रिजर्व पुलिस लाइन सवाई माधोपुर में तैनात थी और इसका नेतृत्व हैडकॉस्टेबल धारा सिंह कर रहे थे। लटिया नाले का मिर्जा मोहल्ला और अंसारी मोहल्ला क्षेत्रों में 3 से 4 फीट पानी भर चुका था, जिससे कुछ खाना जलमग्न हो गए। रेस्क्यू टीम ने रफिसयॉ एल, जसपूर के मदद से बाइग्रस्त मकानों तक पहुंच बनाई और सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। दूसरी ओर मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने बाइग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और स्थानीय निवासियों से संवाद कर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने लटिया नाले के उफान से शहर के रैगर मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, अंसारी मोहल्ला, प्रजापत मोहल्ला, खटीक मोहल्ला व अन्य कॉलोनियों में हुई जलभराव की गंभीर स्थिति पर चिंता जताई।

सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बढ़ते अवैध कब्जों पर कार्रवाई होगी

अलवर, (निसं)। सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में फैली बहुमूल्य वन भूमि पर बढ़ते अवैध कब्जों को लेकर अब प्रशासन सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। प्रशासन को अब सरिस्का टाइगर रिजर्व के बफर जोन व क्रिटिकल टाइगर हैबिटेड (सीटीएच) से एक किलोमीटर के दायरे में बने होटल व रिसॉर्ट पर कार्रवाई करनी होगी। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी साफ कर दिया है कि अतिक्रमण पर अग्रिम कार्रवाई राजस्व और यूआईटी को करनी होगी। बाघों के संरक्षण में कोई बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रशासन अब अपना बुलडोजर बाहर निकालेगा और सिलीसेढ़, टहला, अजबगढ़ आदि एरिया में सरिस्का की जमीन पर हुए अतिक्रमण हटाए जाएंगे। वहीं, सरिस्का प्रशासन ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन से सरिस्का की जमीनों पर हुए अतिक्रमण का डेटा मांगा था।

■ केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी साफ कर दिया है कि अतिक्रमण पर अग्रिम कार्रवाई राजस्व और यूआईटी को करनी होगी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरिस्का बफर में क्षेत्र में बने हुए होटल राजस्व और यूआईटी के क्षेत्र में है। जिला प्रशासन की ओर से किए गए सर्वे की रिपोर्ट के बाद उन्हीं विभागों को अग्रिम कार्रवाई करनी है। किसी भी प्रकार का काम, जो अवैध हो और जो बाघों के संरक्षण के लिए हानिकारक होगा, उसे होने नहीं दिया जाएगा। इससे साफ हो गया है कि अब प्रशासन को कार्रवाई

बारिश और अंधड़ से 100 साल पुराना पेड़ गिरा, कई वाहन क्षतिग्रस्त

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के मंगला चौक में बारिश और अंधड़ के चलते 100 साल पुराना पेड़ गिरने से कार और ऑटो क्षतिग्रस्त हो गये और बिजली के तार टूट गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारों के अनुसार पुराने शहर भीलवाड़ा ने करीब 100 वर्षों पुराना पेड़ बारिश के बीच अचानक गिर गया। पेड़ के नीचे दबने से एक कार और ऑटो

क्षतिग्रस्त हो गये, जबकि कई विद्युत पोल और तार टूटने से क्षेत्र को बिजली मूल हो गई। सूचना पर निगम की टीम मौके पर पहुंची और रोड क्लियर करवाया। हादसे की सूचना पर मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ भी जमा हो गई।

मालाखेड़ा, सिलीसेढ़ व सरिस्का क्षेत्र में बारिश, खेतों में पानी भरा

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में अलर्ट के दूसरे दिन बुधवार सुबह से घने बादल छाए रहे। दोपहर में मालाखेड़ा, सिलीसेढ़ व सरिस्का के क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई है।

लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बारिश होने से खेतों में पानी भर गया। अब बारिश होने से सिलीसेढ़ बांध में पानी की आवक बढ़ने लगी है। वैसे भी बांध करीब दो से ढाई फीट तक खाली है। बांध भरने के बाद जयसमंद में पानी की आवक बढ़ेगी। तेज बारिश अलर्ट के कारण अलवर कलेक्टर

■ सिलीसेढ़ बांध में पानी की आवक बढ़ने लगी

ने दो दिन तक जिले में स्कूलों का अवकाश घोषित किया है। अलर्ट से पहली रात को जिले के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई थी। वहीं जिले के अन्य ग्रामीण हिस्सों में बुधवार तड़के करीब तीन बजे से सुबह आठ बजे तक लगातार पांच घंटे अच्छी बारिश हुई। इससे खेतों में पानी भर गया और किसानों के चेहरे खिल उठे। ग्रामीणों

का कहना है कि इस बारिश से भूजल स्तर में सुधार आने की उम्मीद है। सबसे अधिक गोविंदगढ़ में 45, थानागाजी में 11, लक्ष्मणगढ़ में 22 और बाकी जगहों पर 2 से 11 मिमी बारिश हुई है। सिलीसेढ़ बांध में अब 26.3 फीट पानी है, जबकि 28.9 फीट के बाद ऊपरा चल सकेगी। जबकि अलर्ट से पहली रात को अलवर में 22, जयसमंद में 30, सोडावास में 24, सिलीसेढ़ में 21, राजगढ़ में 21 सहित अन्य जगहों पर भी हल्की बारिश हुई थी।

राजस्थान सरकार	
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर	
क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 14)2025/ई-12004	
ई-नीलामी विज्ञापित संख्या-(ERCC/RCC 14)2025	
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अभ्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञापित से अभ्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टी/स्वारी लाईसेंस व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 49 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रॉनिक प्लेट फार्म प्रदाता कंपनी RailTel की वेबसाइट www.rajminorrcerce.envida.com पर उपलब्ध है।	
(दीपक तंत्र) निदेशक	
DIPRC/10426/2025	

राजस्थान सरकार				
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर				
विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्स्टर्नल नम्बर 211, 212 व 219				
क्रमांक निदे / अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (QL 2)/2025/ई-11996				
नीलामी विज्ञापित				
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अभ्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत अभ्रधान खनिजों के 193 स्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आवंटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। स्वारी लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-				
जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
चित्तौड़गढ़	निम्बाहेड़ा	बिनीला	लाइमस्टोन (खण्डा, पट्टी, फर्शी)	14
		बैंगू	सैंपट स्टोन	76
		मकराना	मर्बल	51
जोधपुर	शेरगढ़	शिवपुरा	सैंपट स्टोन	2
डीडवाना-कुचामन	मकराना	तिलिस्वां	सैंपट स्टोन	2
		पचानपुरा	सेण्टस्टोन	28
		बिजौलिया खुर्द	सैंपट स्टोन	4
भीलवाड़ा	बिजौलिया	खडीपुर	सैंपट स्टोन	3
		सुखपुरा	सेण्टस्टोन	12
		कुल प्लॉट		193

स्वारी लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी मेसर्स रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड के [enivida portalhttps://rajminorrcerce.enivida.com](http://enivida.portalhttps://rajminorrcerce.enivida.com) पर उपलब्ध है।

DIPRC/10452/2025

(दीपक तंत्र)
निदेशक

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

(स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर)

क्रमांक: साविम /स्था / 2025 / 1475

दिनांक: 29.07.2025

आवश्यकता/सूचना

कुलसचिव, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पत्र क्रमांक: प.212 /SKRAU /Estt /Gr I / 2025 /815 दिनांक 28.07.2025 के संदर्भ में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर स्नातक एवं स्नाकोत्तर के विद्यार्थियों को अकादमिक सत्र 2025–26 के प्रथम सेमेस्टर में विभिन्न विषय खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान, मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन, परिणाम एवं वस्त्र विज्ञान, प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन और शारीरिक प्रशिक्षक शिक्षक को पढ़ाने हेतु अथिति संकाय के रूप में योग्य शिक्षकों की अंशकालीन आवश्यकता है। इच्छुक योग्यताधारी अभ्यर्थी (स्नाकोत्तर के साथ NET अथवा Ph-D) या रिटायर्ड कॉलेज शिक्षक (70 वर्ष से कम आयु वाले) अपने बायोडाटा के साथ मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र और एक अतिरिक्त प्रतिलिपि सेट स्व: प्रमाणित साथ लेकर दिनांक 01.08.2025 को सुबह 10.00 बजे अधिष्ठाता कार्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में साक्षात्कार हेतु व्यक्तिशः उपस्थित होंगे। अथिति संकाय शिक्षकों को विश्वविद्यालय नियमानुसार मानदेय देय होगा। चयन प्रक्रिया के समस्त अधिकार चयन समिति के पास सुरक्षित रहेंगे।

अधिष्ठाता : सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर– 334006

राज.संवाद /सी / 25 / 7170

अधिष्ठाता

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड	
ई-निविदा सूचना	
दिनांक :- 30/07/2025	
निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F-9(141)/CC/2022- 2025-13 Dated 25.07.2022 UBN No. MML2526GLOB0800071	कनकाक मालापुरा सिन्हाट्ट मारस गांव-मालापुरा तहसील-जयल नागौर में एक 11 / .43 की म्यूटुल श्रावडिंग रेजिस्टर (एनजीआर) की अनुमति, स्वामता, कमीशनिंग और परीक्षण (निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित कार्य)। अनुमानित मूल्य (रु.) 10.40 लाख, घरेलू राशि (रु.) – 20,800 /- , निविदा राशि- 1180 /- अहस्ताक्षरणीय जी.एस.टी. सहित। ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क रुपये 500/- का डी.डी. जो कि एच.डी., आर.आई.एस.एल., जसपूर के नाम देय हो।
उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (सांख्यिकी-अनुकूल) से उपरोक्त पत्र पर सम्पर्क करें। राज.संवाद/सी/25/7178	
अब महाजनक (का. एवं प्रस.)	

कार्यालय नगर पालिका मण्डल केशवराय पाटन जिला - बूढी (राज०)

npalka3@gmail.com ph.no. 07438-264346

क्रमांक :- न०पाका३/इ-०/निर्माण/ 2025-26 / 1305-1307 दिनांक :-25.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या ००/2025-26

नगर पालिका के०पाटन द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु नगर पालिका के०पाटन में पंजीकृत कार्यों के अनुसार सक्षम स्तर के संवेदक एवं अन्य विभागों में पंजीकृत आ.आ. श्रेणी के संवेदकों से द्वी लिकुका पद्वि /ई-निविदा पद्वि से अंश विभाग निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा वेचे जाने की दिनांक 25.07.2025 से दिनांक 08.08.2025 प्रातः 9.00 बजे तक है। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण <http://sppp.raj.nic.in>, <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर देखी जा सकती हैं।

Sr.No.	UBN No.	Sr.No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB12628	2	DLB2526WSOB12629
3	DLB2526WSOB12630	4	DLB2526WSOB12631
5	DLB2526WSOB12633	TENDOR COST – 24.65 LACS	

राज.संवाद /सी / 25 / 7044अध्यक्षअधिशासी अधिकारी

अवैध बजरी भरे तीन डम्पर जब्त, चालक गिरफ्तार

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के बोगोद थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा पुलिस की स्पेशल टीम (डीएसटी) ने बजरी माफिया पर बड़ी कार्रवाई की है। बनाव नदी की ओवरलॉड अवैध बजरी परिवहन करते तीन डम्पर्स को जब्त किया है। पुलिस ने डम्पर चालकों को भी गिरफ्तार कर लिया है। खनिज विभाग ने डम्पर चालकों के खिलाफ बोगोद थाने में मामला दर्ज कराया है। भीलवाड़ा की स्पेशल टीम ने बुधवार को जोजन-धाकड़खेड़ी सड़क मार्ग पर जा रहे अवैध बजरी भरे ओवरलॉड तीन डम्पर्स को जब्त किया और वाहनों को बीगोद थाने लाकर खड़ा कराया। पुलिस जांच के दौरान तीनों डम्पर के पास बजरी ओरिवहन के वैध दस्तावेज नहीं मिले।

डम्पर चालकों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि बनाव नदी किनारे खटवाड़ा गांव के पास बजरी स्टॉक से जेसीबी से तीनों डम्पर में बजरी भरी गई और मध्यप्रदेश में सप्लाई के लिए ले जाई जा रही थी। सूचना पर खनिज विभाग के फोरमैन ने बोगोद थाने पहुंच कर तीनों अवैध बजरी के डम्पर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने डम्पर चालकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। खनिज विभाग के मुताबिक पुलिस कार्रवाई के साथ अवैध बजरी खनन और परिवहन करने पर जब्त डम्पर्स से 15 लाख 72 हजार राशि जुर्माना के रूप में वसूली जाएगी। वहीं परिवहन विभाग द्वारा ओवरलॉड की अलग से कार्रवाई की जाएगी और स्टॉक संचालक व जेसीबी को भी जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अधेड़ से मारपीट की

भीलवाड़ा, (निसं)। रायपुर में खेत में पशु प्रवेश करवाने की रिपोर्ट दर्ज करवाने जान अधेड़ को उस वक़्त भारी पड़ गया, जब थाने के सिपाही दशरथ सिंह ने मारपीट कर दी, जिसके कारण अधेड़ का कान का पर्दा भी फट गया, जिसके बाद घायल अधेड़ को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती करवाया है। वहीं परिजनों ने एसपी से आपापी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। घायल के परिजन जगदीश

तेली ने कहा कि कोशियल में रहने वाले मेरे साढ़ू नंद लाल तेली के खेत में शंकर लाल तेली अपने मवेशी चरने के लिए छोड़ देता है, जिसकी उलाहना देने पर शंकर लाल ने नंद लाल से मारपीट की और जब वह इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाने रायपुर थाने में गत तो वहां बीट प्रभारी दशरथ सिंह ने शंकरलाल से सांठ-गांठ करते हुए हमारी रिपोर्ट लेने से इंकार कर दिया और 15 हजार रूपए की मांग रखी।